

तुरंत जारी करने हेतु

(प्रेस विज्ञप्ति सं. 140/2026)

प्रेस के लिए सूचना नोट



भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर 2026

(www.trai.gov.in)



सितम्बर 2026 के अंत में दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य झलकियां

विवरण	वायरलेस*	वायरलाइन	कुल (वायरलेस+वायरलाइन)
ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में) एम 2 एम सेलुलर मोबाइल कनेक्शन के साथ	1,058.79	48.89	1,107.68
ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में) एम 2 एम सेलुलर मोबाइल कनेक्शन के बिना	964.98	48.89	1,013.87
शहरी टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	764.35	43.43	807.78
सितम्बर 2026 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	5.24	0.26	5.50
मासिक वृद्धि दर	0.69%	0.61%	0.69%
ग्रामीण टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	554.84	5.32	560.16
सितम्बर 2026 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	1.70	0.03	1.73
मासिक वृद्धि दर	0.31%	0.50%	0.31%
टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में)	1319.19	48.74	1367.93
सितम्बर 2026 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	6.94	0.29	7.23
मासिक वृद्धि दर	0.53%	0.60%	0.53%
शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	57.94%	89.09%	59.05%
ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	42.06%	10.91%	40.95%
समग्र दूरसंचार-घनत्व@ एम 2 एम सेलुलर मोबाइल कनेक्शन के साथ	92.12%	3.40%	95.52%
शहरी दूरसंचार-घनत्व@	147.47%	8.38%	155.85%
ग्रामीण दूरसंचार-घनत्व@	60.72%	0.58%	61.30%
दूरसंचार-घनत्व@ एम 2 एम सेलुलर मोबाइल कनेक्शन के बिना	82.00%	3.40%	85.41%

- ❖ सितम्बर 2026 के माह में 16.77 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं।
- ❖ सितम्बर 2026 के अंत तक सक्रिय वायरलेस (मोबाइल) उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर# की तिथि पर) की संख्या 1212.80 मिलियन थी।

नोट: -

- * वायरलेस उपभोक्ता आधार में वायरलेस मोबाइल टेलीफोन उपभोक्ता (एम 2 एम सेलुलर मोबाइल कनेक्शनों सहित) तथा फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (FWA) उपभोक्ता शामिल हैं।
- @ टेली-घनत्व की गणना सितम्बर 2020 में प्रकाशित "भारत एवं राज्यों के लिए जनसंख्या प्रक्षेपण पर तकनीकी समूह की रिपोर्ट (2011-2036)" में उल्लिखित जनसंख्या प्रक्षेपण के आधार पर की गई है।
- # VLR विज़िटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्त नाम है। विभिन्न दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के लिए पीक वीएलआर की तिथियां अलग-अलग सेवा क्षेत्रों में अलग-अलग हैं।
- इस प्रेस विज्ञप्ति में दी गई जानकारी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

I. ब्राडबैंड सब्सक्राइबर बेस

- सितम्बर 2026 महीने में 1596 सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, ब्राडबैंड सब्सक्राइबरों की संख्या अगस्त 2026 के अंत में 1101.21 मिलियन से बढ़कर सितम्बर 2026 के अंत में 1107.68 मिलियन हो गई जिसमें वृद्धि दर 0.59% प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्राडबैंड सब्सक्राइबरों की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई है:-

सितम्बर 2026 के माह की स्थिति के अनुसार ब्राडबैंड सब्सक्राइबर बेस तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

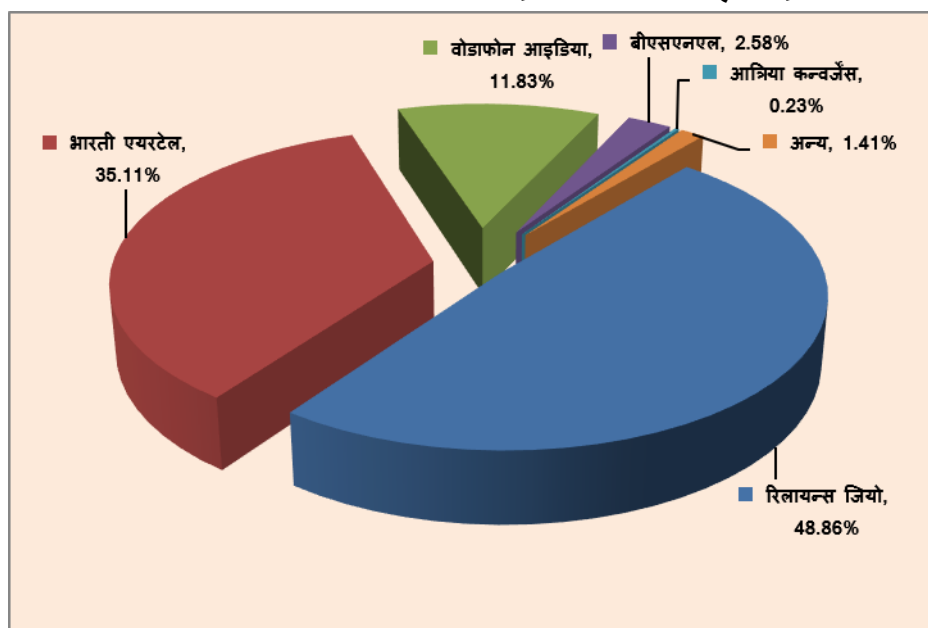
सेगमेंट	सब्सक्रिप्शन	सब्सक्राइबर बेस (मिलियन में)		परिवर्तन दर (प्रतिशत)
		अगस्त-26	सितम्बर-26	
वायर्ड सब्सक्राइबर	फिक्स्ड वायर्ड एक्सेस (डी.एस.एल., एफ.टी.टी.एक्स., ईथरनेट/एल.ए.न, केबल मॉडेम, आई.एल.एल)	48.63	48.89	0.54%
वायरलेस सब्सक्राइबर	फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफ.डब्ल्यू.ए.-5जी, वाई-फाई, वाई- मैक्स, रेडियो/यूबीआर, सैटेलाइट)	19.34	19.70	1.84%
	मोबाइल वायरलेस एक्सेस (हैंडसेट/डोंगल/ एम2एम-आधारित 3G, 4G, 5G)	1033.24	1039.09	0.57%
कुल ब्राडबैंड सब्सक्रिप्शन		1101.21	1107.68	0.59%

सितम्बर 2026 के अंत तक सबसे बड़े पांच (वायर्ड+वायरलेस) सेवा प्रदाता

क्रम संख्या	सेवा प्रदाता का नाम	सब्सक्राइबर बेस (मिलियन में)
1.	रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड	541.17
2.	भारती एयरटेल लिमिटेड	388.86
3.	वोडाफोन आइडिया लिमिटेड	131.00
4.	भारत संचार निगम लिमिटेड	28.55
5.	आत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड	2.50
पांच सबसे बड़े ब्राडबैंड (वायर्ड+वायरलेस) सेवा प्रदाताओं का मार्केट शेयर		98.59%

- ब्राडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन नीचे दिया गया है: -

**सितम्बर 2026 के अंत तक की स्थिति के अनुसार ब्राडबैंड (वायरलाईन+वायरलेस)
सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी**



सितम्बर 2026 के अंत तक की स्थिति के अनुसार पांच सबसे बड़े फिक्स्ड वायर्ड एक्सेस ब्राडबैंड सेवा प्रदाता

क्रम संख्या	सेवा प्रदाता का नाम	सब्सक्राइबर बेस (मिलियन में)
1.	रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड	14.92
2.	भारती एयरटेल लिमिटेड	11.55
3.	भारत संचार निगम लिमिटेड	4.59
4.	आत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड	2.50
5.	केरला विजन ब्रॉडबैंड लिमिटेड	1.57
पांच सबसे बड़े फिक्स्ड वायर्ड एक्सेस ब्राडबैंड सेवा प्रदाताओं का मार्केट शेयर		71.85%

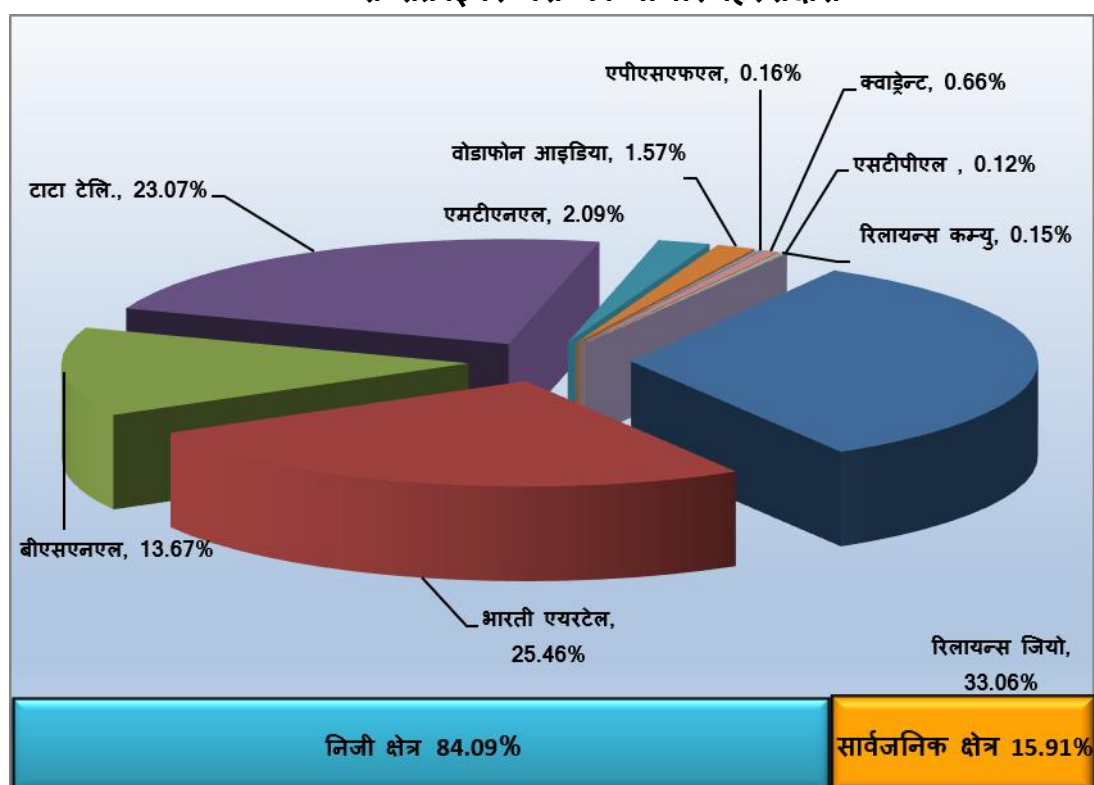
सितम्बर 2026 के अंत तक की स्थिति के अनुसार पांच सबसे बड़े वायरलेस ब्राडबैंड (फिक्स्ड वायरलेस ब्राडबैंड और मोबाइल ब्राडबैंड) सेवा प्रदाता

क्रम संख्या	सेवा प्रदाता का नाम	सब्सक्राइबर बेस (मिलियन में)
1.	रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड	526.25
2.	भारती एयरटेल लिमिटेड	377.31
3.	वोडाफोन आइडिया लिमिटेड	130.99
4.	भारत संचार निगम लिमिटेड	23.96
5.	आईबस वर्चुअल नेटवर्क सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	0.12
पांच सबसे बड़े वायरलेस ब्राडबैंड (फिक्स्ड वायरलेस ब्राडबैंड और मोबाइल ब्राडबैंड) सेवा प्रदाताओं का मार्केट शेयर		99.99%

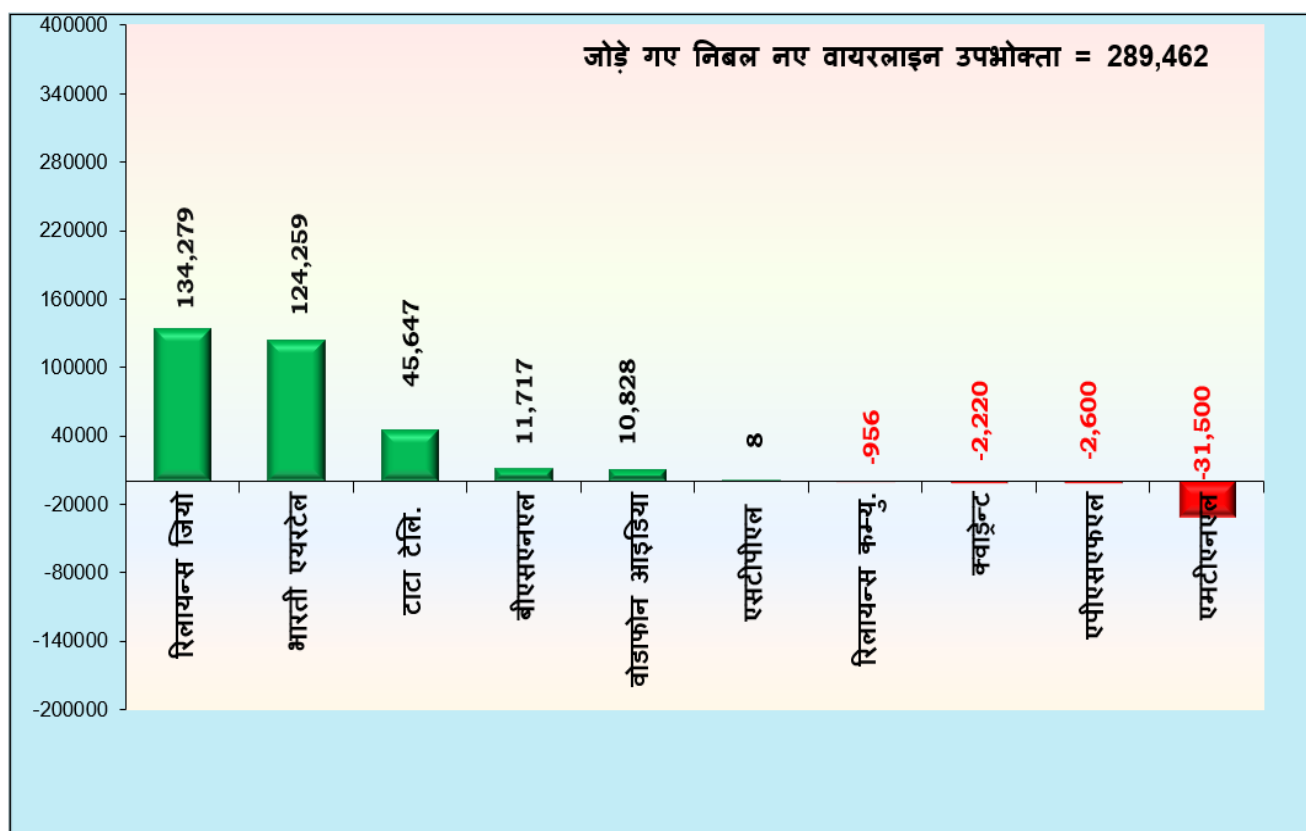
II. वायरलाइन टेलीफोन सब्सक्राइबर बेस

- वायरलाइन ग्राहकों की संख्या अगस्त 2026 के अंत में 48.45 मिलियन से बढ़कर सितम्बर 2026 के अंत में 48.74 मिलियन हो गई। इस माह में 0.60% की मासिक वृद्धि दर के साथ वायरलाइन सब्सक्राइबरों की संख्या में 0.29 मिलियन की वृद्धि दर्ज की गई।
- भारत में कुल वायरलाइन टेली-घनत्व अगस्त 2026 के अंत में 3.39% से बढ़कर सितम्बर 2026 के अंत में 3.40% हो गई। इसी अवधि के दौरान शहरी और ग्रामीण वायरलाइन टेली-घनत्व क्रमशः 8.38% और 0.58% था। सितम्बर 2026 के अंत में कुल वायरलाइन सब्सक्राइबरों में शहरी और ग्रामीण ग्राहकों की हिस्सेदारी क्रमशः 89.09% और 10.91% थी।
- सितम्बर 2026 के अंत में तीनों सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल, एमटीएनएल तथा एपीएसएफएल के पास वायरलाइन बाजार की 15.91% हिस्सेदारी थी। वायरलाइन सब्सक्राइबरों की संख्या के विस्तृत आंकड़े **अनुलग्नक-1** में उपलब्ध हैं।

सितम्बर 2026 के अंत तक की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन सब्सक्राइबर बेस की बाजार हिस्सेदारी

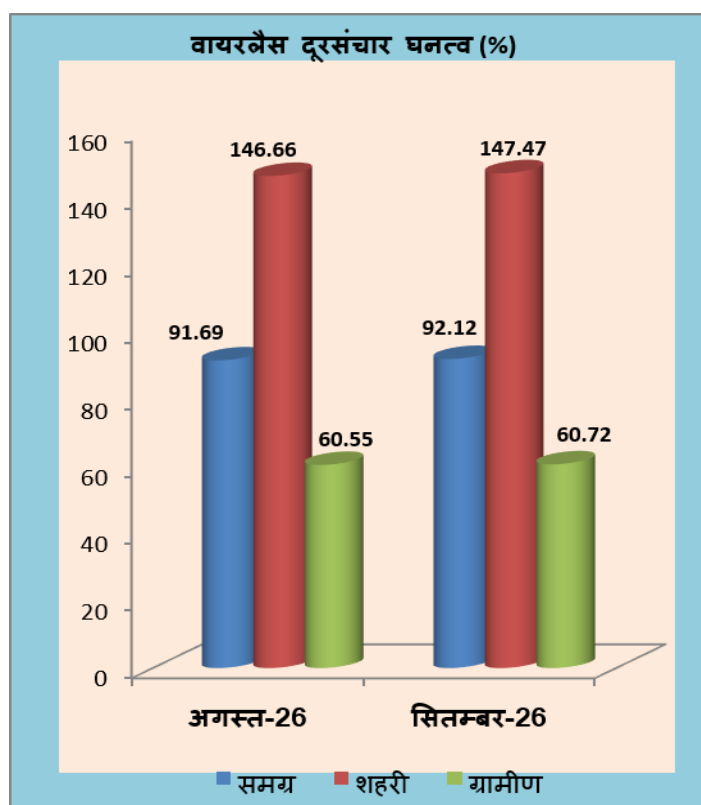
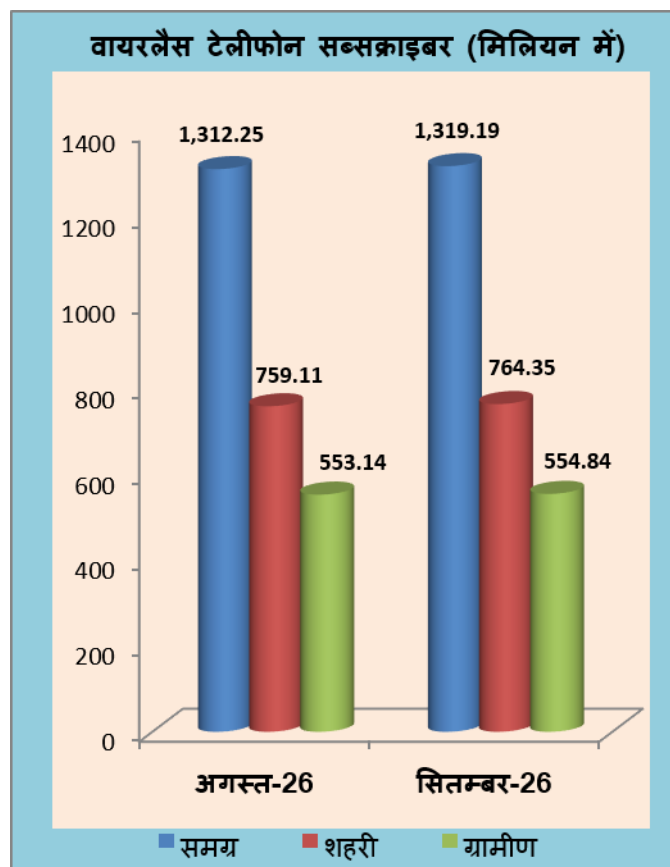


- सितम्बर माह में विभिन्न एक्सेस सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन सब्सक्राइबर बेस में निबल वृद्धि/क्षय नीचे दिया गया है।



III. वायरलेस टेलीफोन (मोबाइल + एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर बेस

- कुल वायरलेस (मोबाइल + एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबरों की संख्या अगस्त 2026 के अंत में 1312.25 मिलियन से बढ़कर सितम्बर 2026 के अंत में 1319.19 मिलियन हो गई, जिससे 0.53% की मासिक वृद्धि दर दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में कुल वायरलेस सब्सक्रिप्शन अगस्त 2026 के अंत में 759.11 मिलियन से बढ़कर, सितम्बर 2026 के अंत में 764.35 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में सब्सक्रिप्शन 553.14 मिलियन से बढ़कर 554.84 मिलियन हो गई। शहरी और ग्रामीण वायरलेस सब्सक्रिप्शन की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.69% और 0.31% थी।



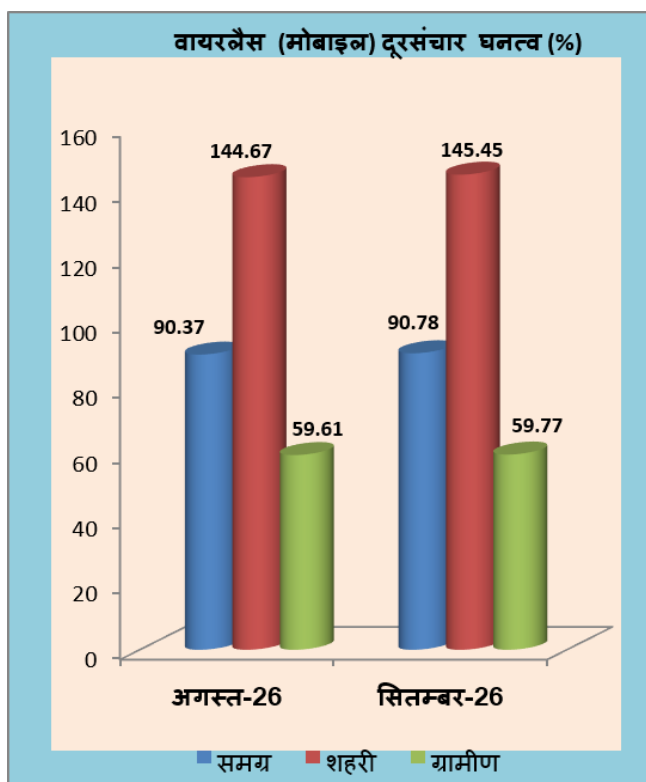
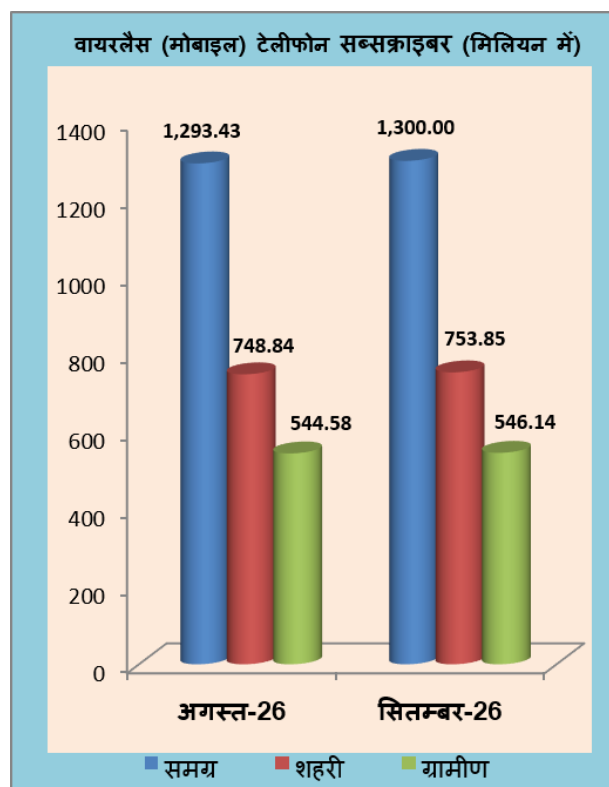
- भारत में वायरलेस टेली-घनत्व अगस्त 2026 के अंत में 91.69% से बढ़कर सितम्बर 2026 के अंत में 92.12% हो गया। शहरी वायरलेस टेली-घनत्व अगस्त 2026 के अंत में 146.66% से बढ़कर सितम्बर 2026 के अंत में 147.47% हो गया और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण टेली-घनत्व में 60.55% से बढ़कर 60.72% हो गया। सितम्बर 2026 के अंत में कुल वायरलेस ग्राहकों में शहरी और ग्रामीण वायरलेस ग्राहकों की हिस्सेदारी क्रमशः 57.94% और 42.06% थी।

नोट: - टेली-घनत्व के आंकड़ों की गणना में एम2एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शनों को भी शामिल किया गया है।

- वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों और वायरलेस (एफडब्ल्यूए) ग्राहकों का विवरण नीचे दिया गया है: -

(अ) वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस

- कुल वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबरों की संख्या अगस्त 2026 के अंत में 1293.43 मिलियन से बढ़कर सितम्बर 2026 के अंत में 1300.00 मिलियन हो गए, जिससे मासिक वृद्धि दर 0.51% दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्रिप्शन अगस्त 2026 के अंत में 748.84 मिलियन से बढ़कर सितम्बर 2026 के अंत में 753.85 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्रिप्शन 544.58 मिलियन से बढ़कर 546.14 मिलियन हो गई। शहरी और ग्रामीण वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्रिप्शन की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.67% और 0.29% थी।

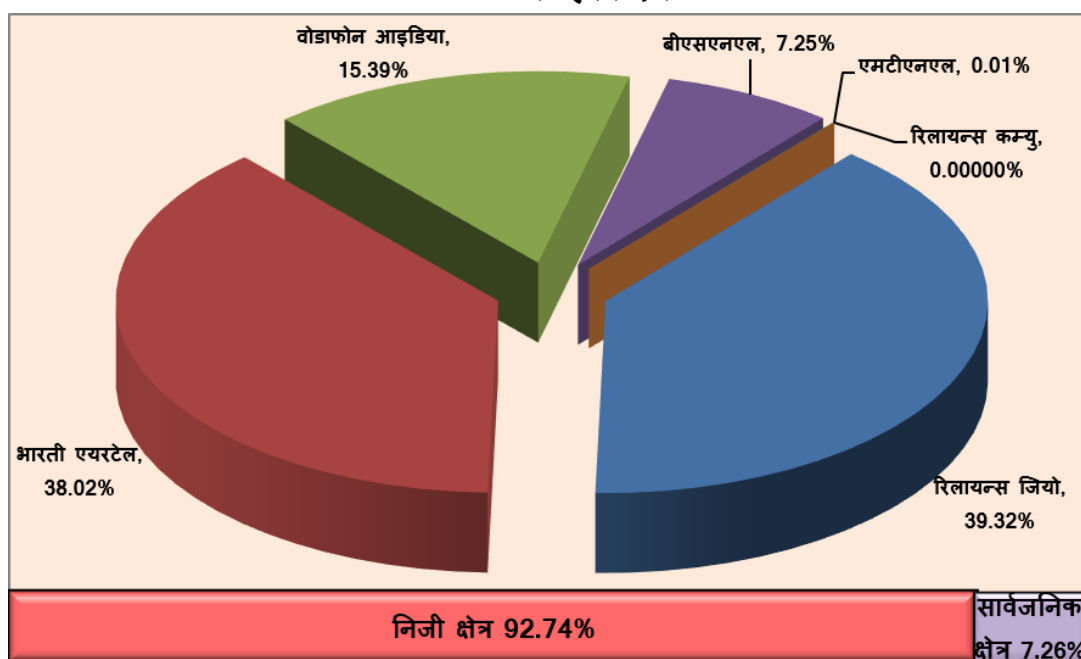


- भारत में वायरलेस (मोबाइल) टेली-घनत्व अगस्त 2026 के अंत में 90.37% से बढ़कर सितम्बर 2026 के अंत में 90.78% हो गया। शहरी वायरलेस टेली-घनत्व अगस्त 2026 के अंत में 144.67% से बढ़कर सितम्बर 2026 के अंत में 145.45% हो गया और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण टेली-घनत्व में 59.61% से बढ़कर 59.77% हो गया। सितम्बर 2026 के अंत में कुल वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों में शहरी और ग्रामीण वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों की हिस्सेदारी क्रमशः 57.99% और 42.01% थी। वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस के विस्तृत आँकड़े अनुलग्नक-2 में उपलब्ध हैं।

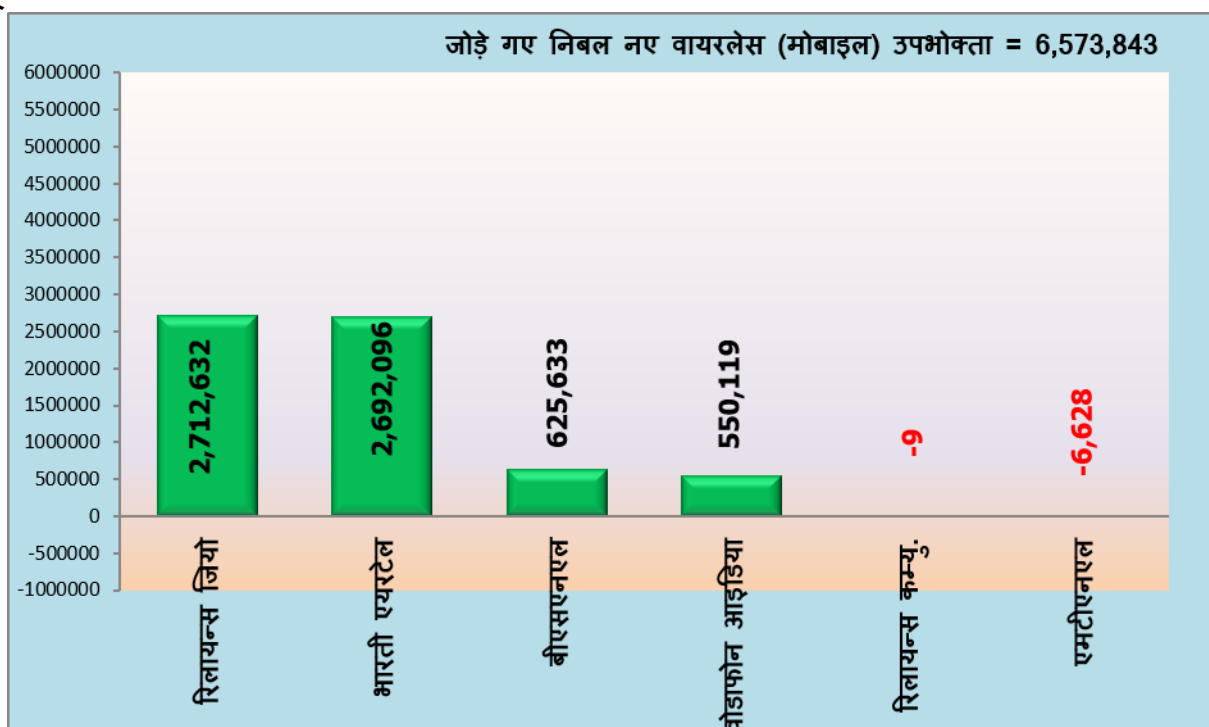
नोट: - टेली-घनत्व के आंकड़ों की गणना में एम2एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शनों को भी शामिल किया गया है।

- सितम्बर 2026 के अंत तक की स्थिति के अनुसार, निजी सेवा प्रदाताओं के पास वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या का 92.74% बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलीफोन सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास 7.26% बाजार हिस्सेदारी थी।
- एक्सेस सेवा प्रदाता-वार बाजार हिस्सेदारी और वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस में शुद्ध वृद्धि को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया है: -

सितम्बर 2026 के अंत तक वायरलेस (मोबाइल) उपभोक्ताओं के संदर्भ में एक्सेस सेवा प्रदाता-वार बाजार हिस्सेदारी

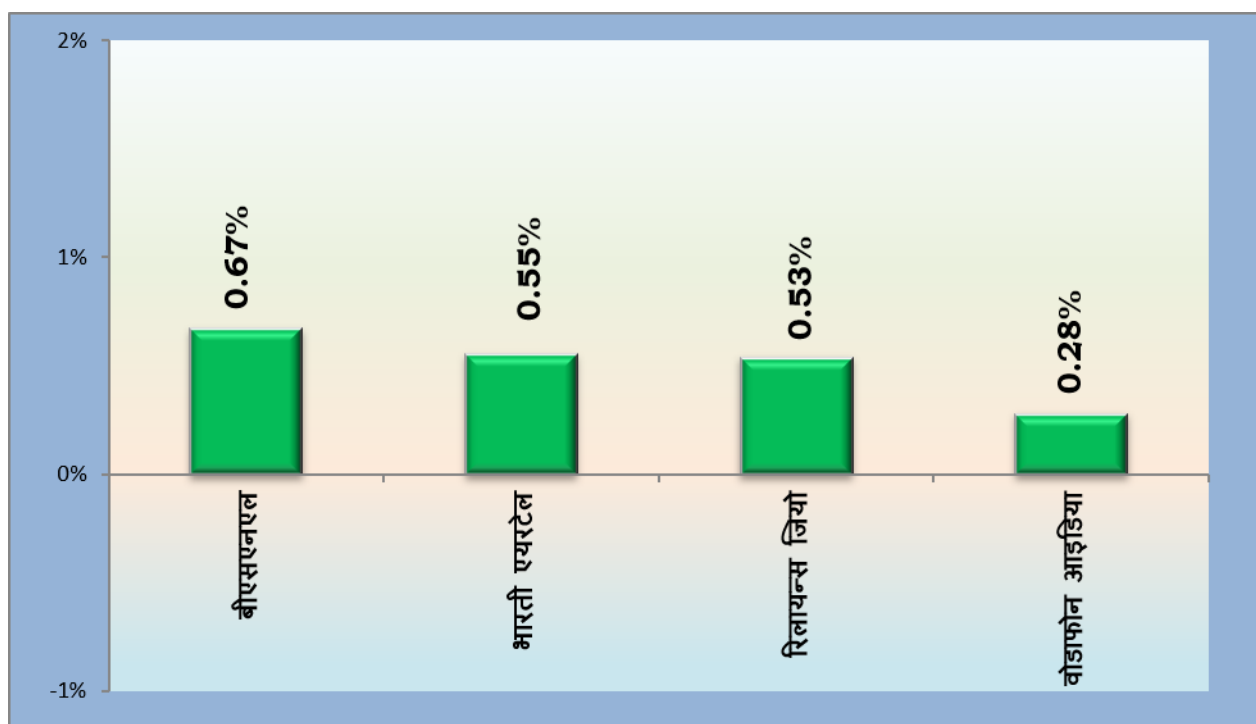


सितम्बर 2026 के महीने में एक्सेस सेवा प्रदाताओं के वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों में शुद्ध वृद्धि/कमी

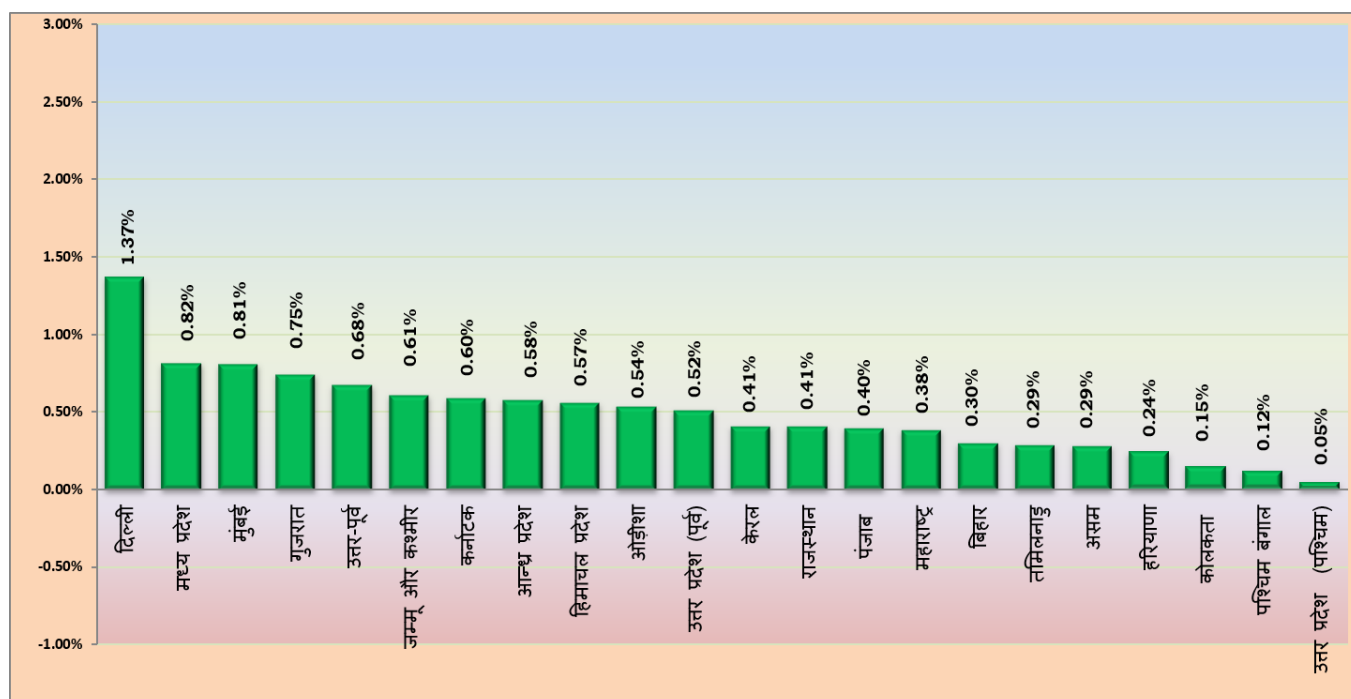


वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर्स में वृद्धि

सितम्बर 2026 माह में वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर्स की प्रमुख एक्सेस सेवा प्रदातावार मासिक वृद्धि दर



सितम्बर 2026 माह के दौरान लाइसेंस सेवा-क्षेत्रवार वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस में मासिक वृद्धि दर



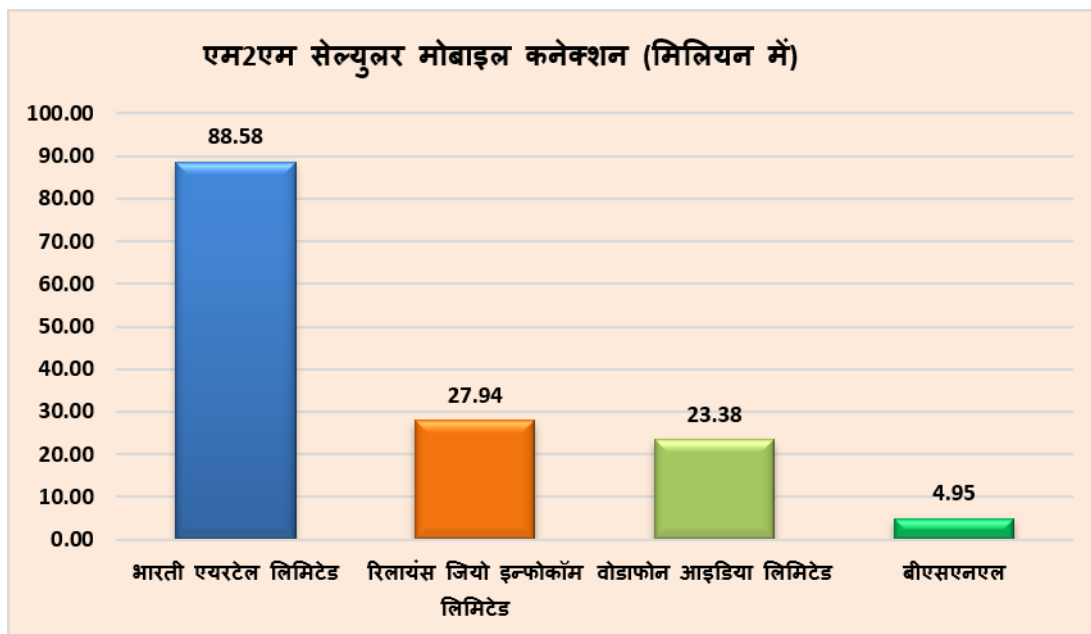
- सितम्बर 2026 के दौरान सभी सेवा क्षेत्रों में वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या में वृद्धि दर दर्ज की गई।

(ब) वायरलेस (एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर बेस

- वर्तमान में फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्ल्यूए) आधारित सेवाएं दो श्रेणियों के तहत प्रदान की जा रही हैं
 - (a) 5जी एफडब्ल्यूए i.e. एफडब्ल्यूए 5जी रेडियो एक्सेस तकनीक का उपयोग करके; और
 - (b) यूबीआर एफडब्ल्यूए i.e. एफडब्ल्यूए बिना लाइसेंस वाले रेडियो बैंड (यूबीआर) तकनीक का उपयोग करके.
- अगस्त 2026 के अंत में कुल वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबरों की संख्या 13.45 मिलियन से बढ़कर सितम्बर 2026 के अंत में 13.61 मिलियन हो गई, जिसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सब्सक्राइबरों की संख्या क्रमशः 6.54 मिलियन और 7.06 मिलियन थी। सितम्बर 2026 के अंत में कुल वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबरों में शहरी और ग्रामीण वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबरों की हिस्सेदारी क्रमशः 48.11% और 51.89% थी।
- सेवा क्षेत्र वार वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर बेस के विस्तृत आँकड़े **अनुलग्नक-5** पर उपलब्ध हैं।
- सितम्बर 2026 के अंत तक कुल वायरलेस (यू बी आर एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबरों की संख्या 5.58 मिलियन थी, जिसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सब्सक्रिप्शन क्रमशः 3.95 मिलियन और 1.63 मिलियन थे। सितम्बर 2026 के अंत तक कुल वायरलेस (यूबीआर एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर्स में शहरी और ग्रामीण वायरलेस (यूबीआर एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर्स की हिस्सेदारी क्रमशः 70.74% और 29.26% थी।
- सेवा क्षेत्र वार वायरलेस (यूबीआर एफडब्ल्यूए) ग्राहक आधार की जानकारी **अनुलग्नक-6** पर उपलब्ध है।

IV. एम2एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शन

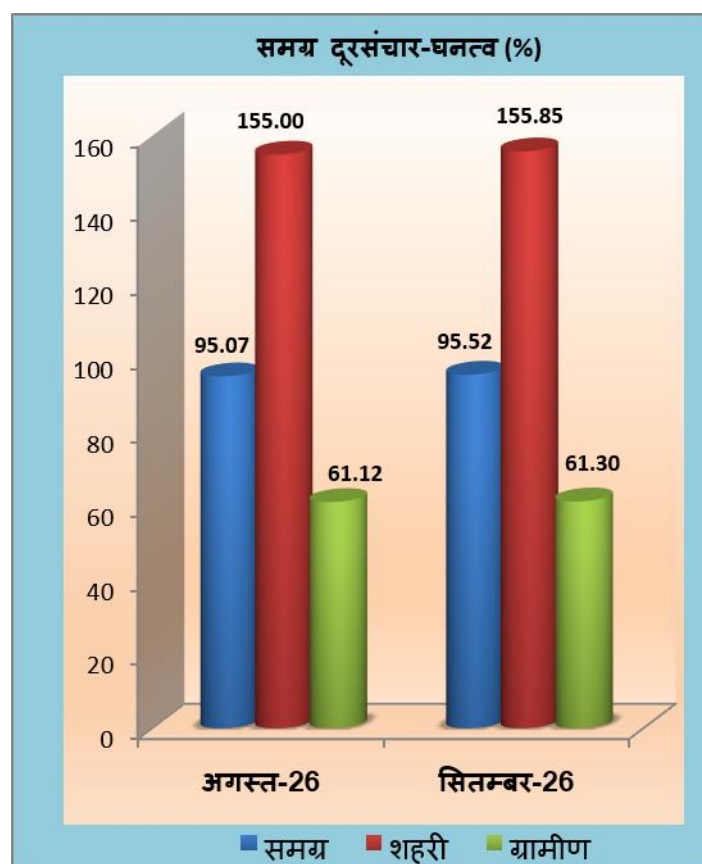
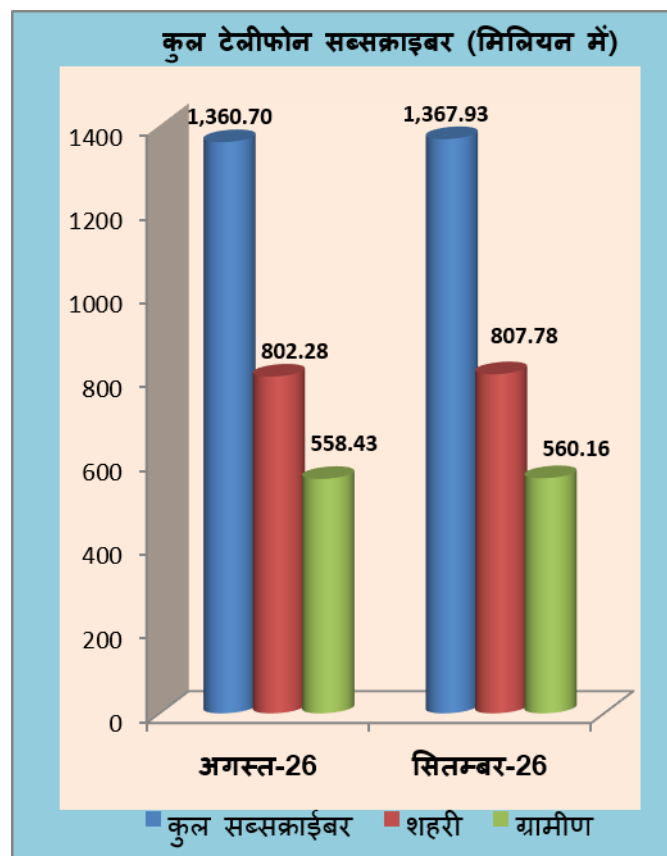
- एम2एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शनों की संख्या अगस्त 2026 के अंत में 140.50 मिलियन से बढ़कर सितम्बर 2026 के अंत में 144.85 मिलियन हो गई।



- भारती एयरटेल लिमिटेड के पास 61.16% की बाजार हिस्सेदारी के साथ सबसे अधिक एम2एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शन 88.58 मिलियन हैं, इसके बाद रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड, वोडाफोन आइडिया लिमिटेड और बीएसएनएल के पास क्रमशः 19.29%, 16.14% और 3.41% की बाजार हिस्सेदारी है।

V. कुल टेलीफोन सब्सक्राइबर बेस

• अगस्त 2026 के अंत तक देश में टेलीफोन सब्सक्राइबरों की संख्या 1360.70 मिलियन से बढ़कर सितम्बर 2026 के अंत तक 1367.93 मिलियन हो गई, जिसमें मासिक वृद्धि दर 0.53% प्रतिशत दर्ज की गयी। अगस्त 2026 के अंत तक शहरी सब्सक्राइबरों की संख्या 802.28 मिलियन से बढ़कर सितम्बर 2026 के अंत तक 807.78 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण सब्सक्राइबरों की संख्या 558.43 मिलियन से बढ़कर 560.16 मिलियन हो गई। सितम्बर 2026 माह के दौरान शहरी एवं ग्रामीण सब्सक्राइबरों की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.69% तथा 0.31% रही।



• देश में समग्र दूरसंचार घनत्व अगस्त 2026 के अंत तक 95.07% से बढ़कर सितम्बर 2026 के अंत तक 95.52% हो गया। शहरी दूरसंचार घनत्व अगस्त 2026 के अंत तक 155.00% से बढ़कर सितम्बर 2026 के अंत तक 155.85% हो गया और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण दूरसंचार घनत्व 61.12% से बढ़कर 61.30% हो गया। सितम्बर 2026 के अंत तक कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में शहरी और ग्रामीण सब्सक्राइबरों की हिस्सेदारी क्रमशः 59.05% तथा 40.95% थी।

नोट: - टेली-घनत्व के आंकड़ों की गणना में एम2एम सेलुलर मोबाइल कनेक्शनों को भी शामिल किया गया है।

- सितम्बर 2026 के अंत तक कुल टेलीफोन सब्सक्राइबर आधार का सारांश निम्नानुसार है:

सितम्बर 2026 के अंत में टेलीफोन सब्सक्राइबर आधार (मिलियन में)

क्रम सं.	टेलीफोन कनेक्शन के प्रकार		सब्सक्राइबरों की संख्या	कुल
1.	वायरलेस	कंज्यूमर सिम	1,155.15	1,319.19
2.		एम2एम सिम	144.85	
3.		एफडब्ल्यूए	19.19	
4.	वायरलाइन		48.74	
5.	कुल		1,367.93	

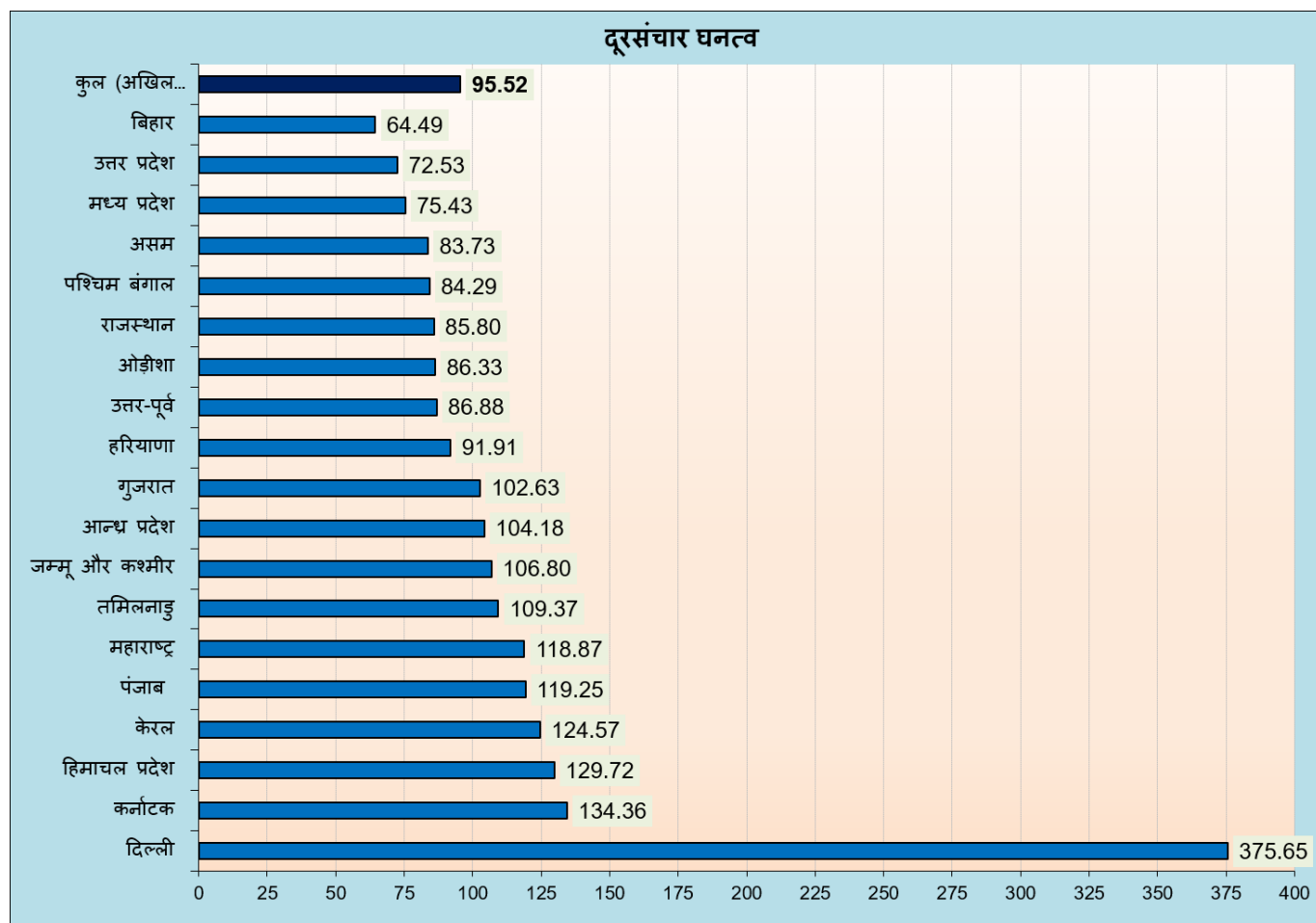
- निम्नलिखित तालिका में सितम्बर 2026 के अंत तक वायरलेस (मोबाइल) टेलीफोन उपभोक्ता बेस की संक्षिप्त जानकारी दी गयी है।

सितम्बर 2026 के अंत में वायरलेस (मोबाइल) टेलीफोन उपभोक्ता बेस

क्रम सं.	मद	सब्सक्राइबरों की संख्या (मिलियन में)
1.	एम2एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शनों सहित वायरलेस (मोबाइल) कनेक्शनों की कुल संख्या*	1,300.00
2.	एम2एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शनों को छोड़कर वायरलेस (मोबाइल) कनेक्शनों की संख्या	1,155.15

* कुल वायरलेस (मोबाइल) कनेक्शन = कंज्यूमर सिम + एम2एम सिम

सितम्बर 2026 के अंत तक की स्थिति के अनुसार सेवा क्षेत्र (एलएसए) वार समग्र दूरसंचार-घनत्व



- जैसा कि उपर्युक्त चार्ट में देखा जा सकता है कि सितम्बर 2026 के अंत में नौ सेवा क्षेत्रों में टेली-घनत्व, अखिल भारत के औसत टेली-घनत्व से कम रहा है। दिल्ली सेवा क्षेत्र में अधिकतम टेली-घनत्व 375.65% रहा और इसी दौरान बिहार सेवा क्षेत्र में न्यूनतम टेली-घनत्व 64.49% रहा।

नोट: -

- जनसंख्या आंकड़े/अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
- दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा तकनीकी समूह की भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या 2011-2036 के अनुमानों की रिपोर्ट के आंकड़ों के आधार पर।
- दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेंजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
- पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई तथा उत्तर प्रदेश में उ०प्र०(पूर्व) एवं उ०प्र०(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल हैं।
- आंध्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर-पूर्व में अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।
- टेली-घनत्व के आंकड़ों की गणना में एम२एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शनों को भी शामिल किया गया है।

VI. सब्सक्राइबर बेस में श्रेणीवार वृद्धि

सितम्बर 2026 माह में टेलीफोन सब्सक्राइबरों की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए सब्सक्राइबर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	सितम्बर 2026 के माह में जोड़े गए निबल नए सब्सक्राइबर		सितम्बर 2026 की स्थिति के अनुसार सब्सक्राइबर की संख्या	
	वायरलाइन	वायरलेस*	वायरलाइन	वायरलेस*
श्रेणी - क	139,998	2,325,583	20,678,510	443,262,325
श्रेणी - ख	85,392	2,226,223	12,202,092	511,028,191
श्रेणी - ग	46,602	914,776	3,961,839	219,477,060
महानगर	17,470	1,474,470	11,901,314	145,420,839
अखिल भारतीय	289,462	6,941,052	48,743,755	1,319,188,415

सितम्बर 2026 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन सब्सक्राइबरों की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (अगस्त 2026 से सितम्बर 2026)		वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (सितम्बर 2025 से सितम्बर 2026)	
	वायरलाइन	वायरलेस*	वायरलाइन	वायरलेस*
श्रेणी - क	0.68%	0.53%	3.87%	7.20%
श्रेणी - ख	0.70%	0.44%	8.88%	5.44%
श्रेणी - ग	1.19%	0.42%	17.69%	8.16%
महानगर	0.15%	1.02%	-1.90%	5.70%
अखिल भारतीय	0.60%	0.53%	4.57%	6.50%

* वायरलेस उपभोक्ता आधार में वायरलेस मोबाइल टेलीफोन उपभोक्ता (एम 2 एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शनों सहित) तथा फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (FWA) उपभोक्ता शामिल हैं।

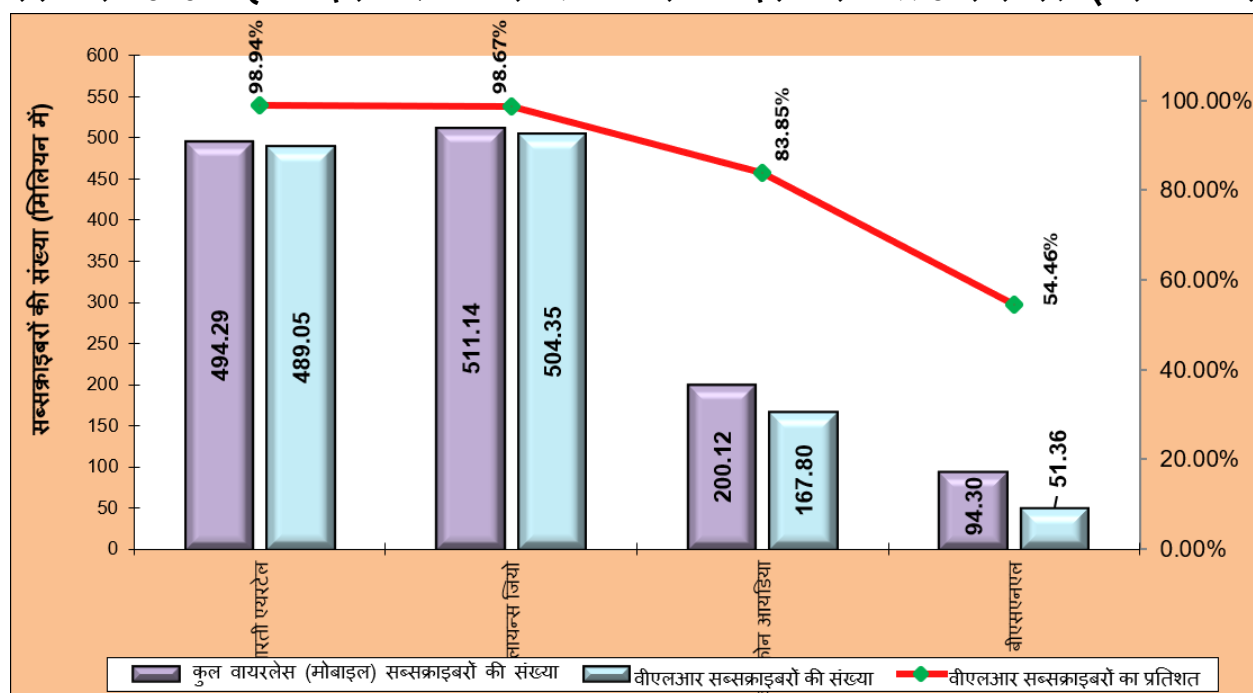
नोट: महानगर सेवा क्षेत्र श्रेणी में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता सेवा क्षेत्र शामिल हैं।

- वायरलाइन सेगमेंट में सितम्बर 2026 के महीने के दौरान, मासिक आधार पर सभी श्रेणी के सर्किलों ने अपने सब्सक्राइबर बेस में वृद्धि दर्ज की है। वार्षिक आधार पर, महानगर को छोड़कर, अन्य श्रेणी के सर्किलों ने अपने सब्सक्राइबर बेस में वृद्धि दर्ज की है।
- जैसा कि ऊपर दी गई तालिकाओं में देखा जा सकता है, वायरलेस सेगमेंट में सितम्बर 2026 के महीने के दौरान, मासिक आधार पर सभी श्रेणी के सर्किलों ने अपने सब्सक्राइबर बेस में वृद्धि दर्ज की है। वार्षिक आधार पर भी सभी श्रेणी के सर्किलों ने अपने सब्सक्राइबर बेस में वृद्धि दर्ज की है।

VII. सक्रिय वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर (वीएलआर आंकड़े)

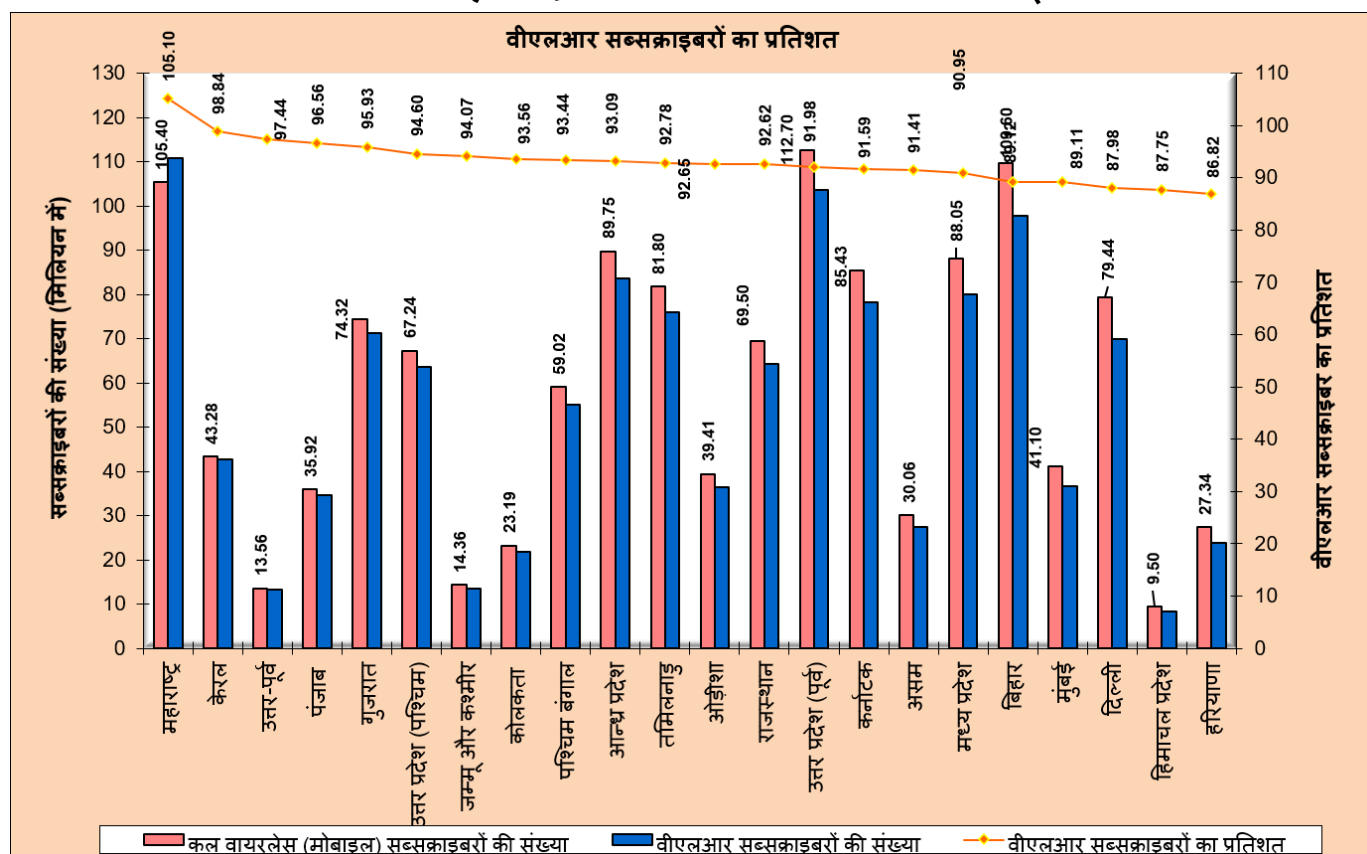
- सितम्बर 2026 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबरों की संख्या 1300.00 मिलियन में से 1212.80 मिलियन वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर सक्रिय थे। कुल वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबरों की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर का अनुपात लगभग 93.29% प्रतिशत था।
- सितम्बर 2026 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलेस सब्सक्राइबर (जिसे वीएलआर सब्सक्राइबर भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े **अनुलग्नक-3** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर सब्सक्राइबर की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति **अनुलग्नक-4** में उपलब्ध है।

सितम्बर 2026 माह के दौरान शीर्ष चार टेलिफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर सब्सक्राइबरों का प्रतिशत



- सितम्बर 2026 माह में भारती एयरटेल का अधिकतम वीएलआर की तिथि में वीएलआर सब्सक्राइबर का अनुपात उसके कुल वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या का 98.94% है जो कि सभी वायरलेस टेलिफोन सेवा प्रदाताओं में अधिकतम है।

सितम्बर 2026 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर सब्सक्राइबर्स का प्रतिशत



VIII. मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- भारत में, अंतःसेवा-क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षेत्र में तथा दिनांक 20.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03.07.2015 से देश में अंतर्सेवा-क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलेस मोबाइल सब्सक्राइबर एक सेवा क्षेत्र से दूसरे सेवा क्षेत्र में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।
- सितम्बर 2026 के माह में 16.77 मिलियन टेलीफोन सब्सक्राइबर से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इन 16.77 मिलियन अनुरोधों में से 9.44 मिलियन अनुरोध जोन-I से तथा 7.33 मिलियन अनुरोध जोन-II से प्राप्त हुए हैं।
- एमएनपी जोन-I (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) उत्तर प्रदेश-पूर्व सेवा क्षेत्र में (2.49 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद उत्तर प्रदेश-पश्चिम सेवा क्षेत्र में (1.68 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

- एमएनपी जोन-II (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध मध्य प्रदेश सेवा क्षेत्र में (1.59 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद बिहार सेवा क्षेत्र में (1.53 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

लाइसेंस सेवा क्षेत्र-वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध					
जोन-I			जोन-II		
सेवा क्षेत्र	महीने में पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या		सेवा क्षेत्र	महीने में पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या	
	अगस्त 2026	सितम्बर 2026		अगस्त 2026	सितम्बर 2026
दिल्ली	700,940	788,043	आन्ध्र प्रदेश	662,357	635,330
गुजरात	1,033,817	1,046,186	असम	160,184	146,607
हरियाणा	445,458	509,753	बिहार	1,469,902	1,530,124
हिमाचल प्रदेश	58,959	62,982	कर्नाटक	621,350	693,206
जम्मू और कश्मीर	77,532	92,165	केरल	238,747	272,492
महाराष्ट्र	1,079,115	1,127,057	कोलकाता	193,992	194,051
मुंबई	290,673	303,767	मध्य प्रदेश	1,529,112	1,588,845
पंजाब	389,766	428,079	उत्तर-पूर्व	51,615	50,081
राजस्थान	856,195	904,673	ओड़ीशा	293,186	292,961
उत्तर प्रदेश-पूर्व	2,227,586	2,493,562	तमिलनाडु	543,015	508,662
उत्तर प्रदेश-पश्चिम	1,509,533	1,680,439	पश्चिम बंगाल	1,396,942	1,419,951
कुल	8,669,574	9,436,706	कुल	7,160,402	7,332,310
कुल (जोन-I + जोन-II)				15,829,976	16,769,016

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्री अखिलेश कुमार त्रिवेदी, सलाहकार (एनएसएल-II),
 भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
 वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, टॉवर-एफ, नौरोजी नगर,
 नई दिल्ली-110029.
 फोन-011-20907758
 ई-मेल: advmn@traai.gov.in

Digitally signed by
 Arun Agarwal
 Date: 27-10-2026
 17:04:06

(अरुण अग्रवाल)

प्रधान सलाहकार (एनएसएल), भा.दू.वि.प्रा.

वायरलाइन सब्सक्राइबर की संख्या

अनलग्नक - I

सेवा क्षेत्र	बीएसएनएल		एमटीएनएल		भारत एयरटेल		रिलायन्स कम्यु		टाटा टैलि.		क्वाइंट		वोडाफोन आइडिया		रिलायन्स जियो		एसटीपीएल		एपीएसएफएल		कुल		शुद्ध योग
	अगस्त-26	सितम्बर-26	अगस्त-26	सितम्बर-26	अगस्त-26	सितम्बर-26	अगस्त-26	सितम्बर-26	अगस्त-26	सितम्बर-26	अगस्त-26	सितम्बर-26	अगस्त-26	सितम्बर-26	अगस्त-26	सितम्बर-26	अगस्त-26	सितम्बर-26	अगस्त-26	सितम्बर-26	अगस्त-26	सितम्बर-26	
आन्ध्र प्रदेश	468,093	468,640	-	-	1,091,098	1,096,728	10,333	10,571	1,035,860	1,039,784	-	-	70,535	71,055	2,155,135	2,182,442	-	-	78,323	75,723	4,909,377	4,944,943	35,566
असम	92,522	92,601	-	-	97,525	99,296	-	-	-	-	-	-	1,820	1,820	257,637	260,052	-	-	-	-	449,504	453,769	4,265
बिहार	152,534	151,221	-	-	474,149	477,368	-	-	82,974	85,505	-	-	7,589	8,589	805,192	812,377	-	-	-	-	1,522,438	1,535,060	12,622
दिल्ली	-	-	463,112	448,760	2,568,642	2,582,240	9,428	9,195	962,796	978,552	-	-	72,062	71,820	1,190,126	1,195,698	-	-	-	-	5,266,166	5,286,265	20,099
गुजरात	440,963	439,187	-	-	395,768	405,127	1,300	1,278	836,613	834,359	-	-	113,634	113,764	943,136	946,572	-	-	-	-	2,731,414	2,740,287	8,873
हरियाणा	381,186	378,278	-	-	272,867	277,005	-	-	150,985	146,775	-	-	270	290	183,392	184,816	-	-	-	-	988,700	987,164	-1,536
हिमाचल प्रदेश	100,614	100,558	-	-	33,244	33,855	-	-	3,635	3,635	-	-	60	60	82,101	82,726	-	-	-	-	219,654	220,834	1,180
जम्मू और कश्मीर	45,164	44,704	-	-	169,500	171,505	-	-	-	-	-	-	30	30	283,773	285,422	-	-	-	-	498,467	501,661	3,194
कर्नाटक	464,061	465,733	-	-	1,412,694	1,431,219	8,134	7,952	2,840,874	2,862,438	-	-	191,500	193,205	1,350,728	1,363,561	-	-	-	-	6,267,991	6,324,108	56,117
केरल	969,103	976,339	-	-	166,668	169,765	1,977	1,836	87,349	89,590	-	-	5,117	5,097	426,126	429,829	-	-	-	-	1,656,340	1,672,456	16,116
कोलकाता	224,811	221,627	-	-	232,084	235,502	1,371	1,370	371,622	374,306	-	-	11,117	11,293	697,132	705,726	-	-	-	-	1,538,137	1,549,824	11,687
मध्य प्रदेश	310,511	311,616	-	-	694,974	702,719	-	-	140,057	140,911	-	-	38,512	38,602	1,230,424	1,241,102	-	-	-	-	2,414,478	2,434,950	20,472
महाराष्ट्र	603,261	602,843	-	-	778,679	784,964	5,131	4,937	991,050	989,882	-	-	21,422	26,312	363,662	369,024	-	-	-	-	2,763,205	2,777,962	14,757
मुंबई	4,900	3,190	587,352	570,204	648,171	655,077	26,169	26,042	2,563,212	2,553,428	-	-	158,020	159,532	1,091,717	1,097,752	-	-	-	-	5,079,541	5,065,225	-14,316
उत्तर-पूर्व	59,776	59,609	-	-	69,567	71,056	-	-	-	-	-	-	330	330	256,990	258,906	-	-	-	-	386,663	389,901	3,238
ओड़ीशा	162,081	161,929	-	-	130,309	133,097	-	-	156,862	173,413	-	-	4,476	4,476	384,783	387,699	-	-	-	-	838,511	860,614	22,103
पंजाब	551,866	551,550	-	-	493,537	500,912	1,338	1,332	55,170	54,187	322,490	320,270	1,023	1,023	483,549	487,428	58,272	58,280	-	-	1,967,245	1,974,982	7,737
राजस्थान	289,233	288,940	-	-	428,491	434,253	2,495	2,336	78,564	77,001	-	-	7,885	8,985	635,152	639,144	-	-	-	-	1,441,820	1,450,659	8,839
तमिलनाडु	797,309	810,818	-	-	1,210,500	1,217,907	7,013	6,886	757,027	756,640	-	-	29,210	29,197	1,065,466	1,069,762	-	-	-	-	3,866,525	3,891,210	24,685
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	145,697	145,433	-	-	434,041	440,528	14	14	48,410	48,461	-	-	12,544	12,464	792,963	800,793	-	-	-	-	1,433,669	1,447,693	14,024
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	206,381	206,129	-	-	364,551	370,120	-	-	31,387	31,237	-	-	6,805	6,815	910,263	919,741	-	-	-	-	1,519,387	1,534,042	14,655
पश्चिम बंगाल	180,072	180,910	-	-	117,936	119,011	12	10	7,413	7,403	-	-	150	180	389,478	392,632	-	-	-	-	695,061	700,146	5,085
कुल	6,650,138	6,661,855	1,050,464	1,018,964	12,284,995	12,409,254	74,715	73,759	11,201,860	11,247,507	322,490	320,270	754,111	764,939	15,978,925	16,113,204	58,272	58,280	78,323	75,723	48,454,293	48,743,755	289,462
शुद्ध योग		11717		-31500		124259		-956		45647		-2220		10828		134279		8		-2600		289462	
शामोण ग्राहक	2,190,018	2,202,744	14	14	163,579	169,284	210	210	1,528,570	1,529,156	165,485	163,844	-	-	1,182,704	1,193,861	-	-	60,309	58,307	5,290,889	5,317,420	26,531

वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या

अनुलग्नक - II

सेवा क्षेत्र	भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु		वोडाफोन आइडिया		बीएसएनएल		एमटीएनएल		रिलायन्स जियो		कुल		शुद्ध योग
	अगस्त-26	सितम्बर-26	अगस्त-26	सितम्बर-26	अगस्त-26	सितम्बर-26	अगस्त-26	सितम्बर-26	अगस्त-26	सितम्बर-26	अगस्त-26	सितम्बर-26	अगस्त-26	सितम्बर-26	
आन्ध्र प्रदेश	39,937,042	40,245,487	0	0	8,753,514	8,766,758	7,679,474	7,727,576			32,864,786	33,011,921	89,234,816	89,751,742	516,926
असम	15,270,657	15,317,610	0	0	1,514,641	1,504,907	2,899,920	2,908,473			10,291,012	10,331,183	29,976,230	30,062,173	85,943
बिहार	50,105,575	50,192,651	0	0	7,504,851	7,554,042	5,539,813	5,566,937			46,124,438	46,290,243	109,274,677	109,603,873	329,196
दिल्ली	40,712,950	41,517,659	0	0	16,742,242	16,973,930			120,657	118,339	20,789,246	20,831,051	78,365,095	79,440,979	1,075,884
गुजरात	16,059,429	16,111,003	0	0	20,324,998	20,370,439	3,317,956	3,321,252			34,067,272	34,517,235	73,769,655	74,319,929	550,274
हरियाणा	7,982,329	7,994,411	0	0	6,205,068	6,198,010	4,775,713	4,815,790			8,315,218	8,336,598	27,278,328	27,344,809	66,481
हिमाचल प्रदेश	3,646,564	3,646,279	0	0	395,022	395,092	1,817,071	1,821,037			3,592,194	3,641,846	9,450,851	9,504,254	53,403
जम्मू और कश्मीर	7,069,179	7,112,374	0	0	261,962	257,873	863,103	864,165			6,080,498	6,127,122	14,274,742	14,361,534	86,792
कर्नाटक	45,416,167	45,741,152	0	0	7,753,137	7,789,216	4,787,079	4,844,993			26,971,321	27,057,772	84,927,704	85,433,133	505,429
केरल	9,908,479	9,936,960	1	1	12,853,355	12,870,954	9,056,965	9,104,578			11,287,542	11,371,687	43,106,342	43,284,180	177,838
कोलकता	6,074,476	6,106,705	0	0	4,538,165	4,500,268	1,424,408	1,427,312			11,116,033	11,152,998	23,153,082	23,187,283	34,201
मध्य प्रदेश	18,711,618	18,718,607	0	0	12,392,757	12,684,928	5,152,360	5,218,595			51,079,265	51,429,110	87,336,000	88,051,240	715,240
महाराष्ट्र	34,367,416	34,722,374	0	0	20,691,316	20,660,458	5,327,192	5,369,445			44,608,248	44,646,077	104,994,172	105,398,354	404,182
मुंबई	16,461,258	16,668,453	27	18	10,751,229	10,765,943			34,197	29,887	13,526,403	13,638,328	40,773,114	41,102,629	329,515
उत्तर-पूर्व	6,850,897	6,894,154	0	0	590,167	587,950	1,309,150	1,325,713			4,723,023	4,756,584	13,473,237	13,564,401	91,164
ओड़ीशा	13,477,538	13,493,363	0	0	1,557,705	1,550,406	5,499,606	5,512,564			18,664,429	18,852,968	39,199,278	39,409,301	210,023
पंजाब	14,193,818	14,234,804	2	2	5,623,167	5,632,783	4,106,818	4,134,220			11,859,083	11,922,857	35,782,888	35,924,666	141,778
राजस्थान	26,450,165	26,528,193	1	1	8,154,765	8,113,017	5,966,476	6,109,841			28,640,776	28,744,001	69,212,183	69,495,053	282,870
तमिलनाडु	33,980,568	34,107,115	0	0	14,242,659	14,281,528	7,849,488	7,846,109			25,487,757	25,561,078	81,560,472	81,795,830	235,358
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	41,796,955	41,784,920	0	0	16,608,558	16,695,737	8,477,041	8,508,372			45,238,147	45,710,708	112,120,701	112,699,737	579,036
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	23,599,795	23,696,758	0	0	12,062,015	11,998,752	5,195,393	5,233,543			26,353,692	26,313,300	67,210,895	67,242,353	31,458
पश्चिम बंगाल	19,526,242	19,520,181	1	1	10,048,058	9,966,479	2,625,673	2,635,817			26,751,522	26,899,870	58,951,496	59,022,348	70,852
कुल	491,599,117	494,291,213	32	23	199,569,351	200,119,470	93,670,699	94,296,332	154,854	148,226	508,431,905	511,144,537	1,293,425,958	1,299,999,801	6,573,843
शुद्ध योग		2,692,096		-9		550,119		625,633		-6,628		2,712,632	0	6,573,843	
ग्रामीण ग्राहक	200,235,376	200,676,172	0	0	92,359,646	92,220,763	30,877,410	31,111,261	2,522	2,473	221,106,836	222,134,180	544,581,790	546,144,849	1,563,059

अनुलग्नक-3

सितम्बर 2026 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का एच एल आर के साथ अनुपात (प्रतिशत में)

सेवा क्षेत्र	भारती एयरटेल	बीएसएनएल	वोडाफोन आइडिया	एमटीएनएल	रिलायन्स कम्यु	रिलायन्स जियो	कुल (सभी सेवा प्रदाताओं के लिए एक साथ)
आन्ध्र प्रदेश	96.53	59.00	96.17		-	96.07	93.09
असम	99.54	21.81	86.33		-	99.69	91.41
बिहार	90.26	28.46	83.29		-	96.13	89.12
दिल्ली	97.28		49.90	176.72	-	99.98	87.98
गुजरात	105.78	43.37	88.45		-	100.81	95.93
हरियाणा	105.25	19.75	92.31		-	103.80	86.82
हिमाचल प्रदेश	96.01	45.97	95.03		-	99.59	87.75
जम्मू और कश्मीर	106.56	55.05	81.49		-	85.61	94.07
कर्नाटक	97.44	73.31	68.82		-	91.55	91.59
केरल	99.52	113.51	93.42		-	92.64	98.84
कोलकता	94.15	69.14	87.61		-	98.75	93.56
मध्य प्रदेश	96.34	40.43	84.96		-	95.60	90.95
महाराष्ट्र	107.80	88.83	95.07		-	109.60	105.10
मुंबई	98.56		71.73	123.23	100.00	91.21	89.11
उत्तर-पूर्व	100.08	49.38	96.20		-	107.17	97.44
ओड़ीशा	99.32	39.41	84.34		-	104.14	92.65
पंजाब	113.13	31.92	91.23		100.00	101.72	96.56
राजस्थान	101.22	33.07	90.21		100.00	98.04	92.62
तमिलनाडु	95.78	86.90	80.32		-	97.54	92.78
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	99.63	29.21	81.68		-	100.43	91.98
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	105.90	32.96	91.99		-	97.87	94.60
पश्चिम बंगाल	92.12	73.09	90.67		100.00	97.42	93.44
कुल	98.94	54.46	83.85	165.94	100.00	98.67	93.29

नोट : इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण कुछ सेवा प्रदाताओं के कुछ सेवा क्षेत्रों में अधिकतम वीएलआर आंकड़े, एचएलआर आंकड़ों से अधिक हो सकते हैं।

अनुलग्नक-4

वायरलेस क्षेत्र में वीएलआर सब्सक्राइबर

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन सब्सक्राइबर की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्योरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डाटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक सब्सक्राइबर, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर सब्सक्राइबर के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) सब्सक्राइबर का डाटा भेजता है।

सब्सक्राइबर की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ है: -

1.	एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए)
2.	घटा: (बी=क+ख+ग+घ+ङ)
क.	जांच/सेवा कार्ड
ख.	कर्मचारी
ग.	हस्तगत स्टोक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड)
घ.	सब्सक्राइबर को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति
ङ	कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति
3.	सब्सक्राइबर की संख्या (ए - बी)

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) सब्सक्राइबर का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम-इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक

बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई सब्सक्राइबर एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि सब्सक्राइबर सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह काल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि सब्सक्राइबर ने फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित सब्सक्राइबर की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डाटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय सब्सक्राइबर के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका 72 घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।

5G एफ डब्ल्यू ए सब्सक्राइबर्स की संख्या

अनुलग्नक-5

सेवा क्षेत्र	भारती एयरटेल		रिलायन्स जियो		कुल योग	
	अगस्त-26	सितम्बर-26	अगस्त-26	सितम्बर-26	अगस्त-26	सितम्बर-26
आन्ध्र प्रदेश	337,659	340,084	797,158	797,113	1,134,817	1,137,197
असम	92,953	95,818	221,099	224,896	314,052	320,714
बिहार	201,284	201,554	812,258	829,809	1,013,542	1,031,363
दिल्ली	200,100	205,621	232,536	233,344	432,636	438,965
गुजरात	234,694	238,002	486,836	488,201	721,530	726,203
हरियाणा	106,962	107,662	269,930	274,092	376,892	381,754
हिमाचल प्रदेश	21,777	22,302	87,600	88,594	109,377	110,896
जम्मू और कश्मीर	66,303	65,289	201,004	204,347	267,307	269,636
कर्नाटक	335,897	343,048	466,934	466,909	802,831	809,957
केरल	80,143	82,137	207,821	207,352	287,964	289,489
कोलकता	113,684	115,119	170,258	171,640	283,942	286,759
मध्य प्रदेश	189,395	192,911	664,600	673,073	853,995	865,984
महाराष्ट्र	355,014	362,243	690,160	693,019	1,045,174	1,055,262
मुंबई	132,940	135,721	116,259	116,157	249,199	251,878
उत्तर-पूर्व	45,049	45,424	101,892	102,953	146,941	148,377
ओड़ीशा	94,547	96,172	360,198	366,444	454,745	462,616
पंजाब	191,716	191,439	550,683	556,654	742,399	748,093
राजस्थान	238,166	239,036	545,765	552,970	783,931	792,006
तमिलनाडु	456,984	463,693	430,124	425,973	887,108	889,666
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	251,820	255,822	816,037	829,257	1,067,857	1,085,079
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	184,074	187,355	627,253	637,346	811,327	824,701
पश्चिम बंगाल	103,164	101,227	562,691	577,339	665,855	678,566
कुल	4,034,325	4,087,679	9,419,096	9,517,482	13,453,421	13,605,161
शुद्ध योग		53,354		98,386		151,740
मासिक वृद्धि%		1.32%		1.04%		1.13%

अनुलग्नक-6

यूबीआर एफडब्ल्यूए सब्सक्राइबर बेस

सेवा प्रदाता →	रिलायंस जियो *	
↓ सेवा क्षेत्र	अगस्त-26	सितम्बर-26
आंध्र प्रदेश	467,390	493,506
असम	47,681	49,961
बिहार	356,310	368,121
दिल्ली	371,300	385,875
गुजरात	367,493	381,608
हरियाणा	224,754	230,958
हिमाचल प्रदेश	15,321	16,252
जम्मू और कश्मीर	90,783	92,452
कर्नाटक	341,021	356,469
केरल	14,151	15,129
कोलकाता	242,137	247,830
मध्य प्रदेश	332,066	350,480
महाराष्ट्र	441,115	459,003
मुंबई	75,864	78,641
उत्तर पूर्व	20,806	21,471
ओडिशा	76,404	79,665
पंजाब	311,503	323,084
राजस्थान	370,338	385,221
तमिलनाडु	241,444	254,466
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	353,777	366,485
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	450,151	466,259
पश्चिम बंगाल	156,175	160,517
कुल	5,367,984	5,583,453
नेट एडिशन		215,469
मासिक वृद्धि %		4.01%

* केवल रिलायंस जियो ने एफडब्ल्यूए-यूबीआर सब्सक्राइबर बेस की सूचना दी है।